# M.A. 3rd Semester Examination, 2022

## HINDI

( *हिंदी उपन्यास* )

PAPER – HIN-301

*Full Marks* : 40

*Time* : 2 hours

*The figures in the right hand margin indicate marks*

*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable*

**1.** निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4

(क) 'गोदान' उपन्यास में किन गाँवों की चर्चा की गई है ? उसका प्रकाशन वर्ष लिखिए ।

(ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' किस विधा की रचना है ? इसका नायक कौन है ?

(*ग*) 'इसमें फूल भी है, शूल भी, धूल भी है, गुलाब भी, कीचड़ भी है, चन्दन भी, सुन्दरता भी, कुरूपता भी'– यह कथन किसका है और यह किस उपन्यास से लिया गया है ?

(*घ*) 'धरती धन न अपना' उपन्यास पंजाब के किस क्षेत्र एवं किस जाति की कहानी है ?

(*ङ*) ' रेहन पर रग्घू' पर काशीनाथ सिंह को किस वर्ष और कौन-सा पुरस्कार मिला ?

(*च*) 'यही पैसा है, यही इनका गोदान है'–यह उक्ति किसकी है और किसके प्रति है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4

(*क*) पंडित नोखेराम ने होरी की जमीन पर बेदखली का दावा क्यों कर दिया ? संक्षेप में लिखिए ।

(*ख*) ''देखो जग्गन, 'परायों' में अपने मिल जाते हैं लेकिन 'अपनों' में अपने नहीं मिलते । ऐसा नहीं कि अपने नहीं थे–थे लेकिन तब जब समाज था, परिवार थे, रिश्ते–नाते थे, जब भावना थी । भावना यह थी कि यह भाई है, यह भतीजा है, यह कक्का है, यह काकी है, यह बुआ हैं, भाभी है । भावना में कमी

होती थी तो उसे पूरी कर देती थी । लोक लाज कि यह या ऐसा नहीं करेंगे तो लोग क्या कहेंगे ? धुरी भावना थी, गणित नहीं, लेन देन नहीं" ।

–इस अवतरण का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ग) "ममता! मै फिर काम शुरू करूँगा–यहीं, इसी गाँव में । मैं प्यार की खेती करना चाहता हूँ । आंसू से भीगी हुई धरती पर प्यार के पौधे लहराएँगे । मैं साधना करूँगा, ग्रामवासिनी भारतमाता के मैले आंचल तले" ।

–इस अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(घ) "उसमें नारी सुलभ सुकुमार भावना का लोप हो चुका था । वे उजड़े हुए देव–मंदिर की भांति रास्ते में फंसी हुई प्रतिमा की भांति, कीचड़ में धंसी हुई मालती माला की भांति अपनी प्रतिष्ठा खो चुकी थी और अपनी शुचिता म्लान कर चुकी थी । मैं नारी सौन्दर्य को संसार की सबसे अधिक प्रभावोत्पादिनी शक्ति मानता रहा हूँ । महामाया ने कहा था नारी की सफलता पुरुष को बंधने में है, सार्थकता उसे मुक्ति देने में है" ।

–इस अवतरण का ससंदर्भ विश्लेषण कीजिए ।

(ङ) काली का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(च) नारी के प्रति प्रेमचंद का दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×2

(क) 'गोदान' कृषक जीवन का महाकाव्य है — तर्कसंगत उत्तर लिखिए ।

(ख) 'मैला आंचल' के भाषा-शिल्प पर विचार कीजिए ।

(ग) ' रेहन पर रग्घू' की वस्तु-संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

(घ) " 'धरती धन न अपना' उपन्यास एक गाँव के बहाने सम्पूर्ण भारतीय दलित जीवन की व्यथा-कथा है ।"- इस कथन की पुष्टि कीजिए ।